बियाणी कॉलेज में वार्षिक उत्सव अंतरंग

कलर व रंगोली प्रदर्शनी से मनमोहा

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार अमरावती, 22 फरवरी- ब्रजलाल बियाणी महाविद्यालय के स्वर्ण महोत्सव वर्ष में महाविद्यालय के अंतरंग वार्षिक महोत्सव का शुभारंभ 17 फरवरी 2023 को किशोर बळी, साहित्यकार, कविकार के हस्ते संपन्न हुआ. उद्घाटन समारोह में ओम लढ्ढा, उपाध्यक्ष ब्रजलाल बियाणी शिक्षा समिति, प्राचार्य डॉ.दीपक धोटे, वार्षिक महोत्सव के समन्वयक डॉ.संजीव ईश्वरकर, प्रा.ए.के. शेंडे, छात्रसंघ प्रभारी प्राध्यापक, डॉ.के.बी. सांगवे, समन्वयक विद्यार्थी विकास कक्ष, उपप्राचार्य प्रा.सीताराम राठी, कनिष्ठ महाविद्यालय सहाय्यक शिक्षक मनीष मोहिते, कु. अमृता उंबरकर, छात्रसंघ अध्यक्ष कु.मनाली जव्हेरी छात्रसंघ सचिव व समस्त छात्रसंघ के सदस्य उपस्थित थे.कार्यक्रम की शुरुआत विद्यापीठ गीत से हुयी. प्रमुख अतिथि किशोर बळी का महाविद्यालय की ओर से शाल, श्रीफल, पुस्तक व स्मृतिचिन्ह देकर सत्कार किया गया. दीप प्रज्वलन के बाद अंतरंग के उद्घाटन को विविधत घोषणा की गई.

महाविद्यालय के प्रगति का आलेख प्राचार्य ने अपने प्रास्ताविक में दिया. ओम लढ्ढा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी. कार्यक्रम का संचालन डॉ. लक्ष्मी शर्मा व आभार प्रदर्शन ओम मुराळ ने किया. अंतरंग के उद्घाटक के अवसार पर प्राविण्य प्राप्त विद्यार्थियों का सत्कार किया गया. प्रा.रघुवंशी सिनेट में विजयी होने के उपलक्ष में प्रा.मुंधडाए, पेटेंट के उपलक्ष्य में, प्रा.लेमटे व प्रा.देशपांडे गुणवत्ता यादी में स्थान रहने के उपलक्ष्य में उपाध्यक्ष लढ्ढा के हस्ते पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया.

बियाणी महाविद्यालय को दो दिवसीय वार्षिक उत्सव बहुत ही अभूतपूर्व रहा. ब्रजलाल बियाणी महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव अंतर्गत दो दिवसीय वार्षिक उत्सव में कला प्रदर्शनी, रंगोली प्रदर्शनी, प्रश्नमंजुषा, स्कीट, माईम, वादविवाद स्पर्धा, भावगीत व भक्तिगीत स्पर्धा, टैलेंट हंट अंताक्षरी, फोटोग्राफी, शार्ट फिल्म मेकिंग, आर्केस्ट्रा, फैशन शो, नृत्य स्पर्धा, गरबा, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये थे. अंतरंग वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों ने हर स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का बहोत ही अच्छे से प्रदर्शन किया. कला के साथ विचार, अभिव्यक्ति का सुंदर समागम रहा अंतरंग वार्षिक उत्सव.

इसी वार्षिक उत्सव के दौरान 19 फरवरी को शिवजयंती मनायी गयी. नीलेश सोनटक्के द्वारा व्याख्यान दिया गया. पुरस्कार वितरण का समारोह में विविध स्पर्धाओं में विजेताओं का सत्कार किया गया. प्रसन्न सगने को मिस्टर बियाणी व सुहाणी हिरूलकर को मिस बियाणी से नवाजा गया. वार्षिकोत्सव के सफलतार्थ प्राचार्य डॉ.दीपक धोटे के मार्गदर्शन में सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अथक परिश्रम लिए.

मेलघाट व्याघ्र प्रकल्प का 50वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार चिखलदरा, 22 फरवरी- मेलघाट व्याघ्र प्रकल्प के गाविलगढ़ वनपरिक्षेत्र वन्यजीव चिखलदरा कार्यालय में 50वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी ज्येष्ठ नागरिक अशरफभाई ने की. प्रमुख अतिथि के रूप में वनपरिक्षेत्र अधिकारी दिनेश वालके प्रमुख रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन करते हुए वनरक्षक गायकवाड़ ने पिछले 50 वर्षों में वन की दशा का वर्णन करते हुए वर्तमान में उनके विस्तार की जानकारी दी. प्रमुख अतिथि वनपरिक्षेत्र अधिकारी दिनेश वालके ने वन एवं वन्यप्राणियों की विस्तृत जानकारी देते हुए उसके संवर्धन में उपस्थितों को सहयोग देने का आवाहन किया तथा जनजागृति कर उनके संरक्षण का आग्रह किया. कार्यक्रम अध्यक्ष अशरफ भाई ने आज से 60 वर्ष पूर्व अपने स्थापन वर्ष की एवं वर्तमान दशा का वर्णन करते हुए जंगल को अधिक घना करने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी सेवाओं के प्रति समर्पित रहने का आवाहन वनकर्मियों से किया. इस अवसर पर 50वें जन्मदिन की खुशी में केक काटकर कार्यक्रम अध्यक्ष ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा ऑल राउंडर कर्मचारी मंगेश मनोहरे को शाल, श्रीफल तथा स्मृतिचिन्ह देकर उसका सत्कार किया गया. इस अवसर पर एस.जी. ज्योति, के.वी. हीरे, वी.एन. कास्देकर, आर.डी. महल्ले, खड़से, काले, गजभिये, शे. एजाज, रहमत खान, कलीम भाई, हर्ष तायडे उपस्थित थे.

'उन' दो मंडलों की जांच समिति अर्थात किसानों का शोषण

गोपाल भालेराव का पत्रकार परिषद में कथन

चांदूर बाजार, 22 फरवरी- तहसील के आसेगांव पूर्णा व तलेगांव मोहना मंडल के किसानों को अतिवृष्टि की निधि शीघ्र से शीघ्र मिले, इसलिए लोक विकास संगठन ने आगामी 23 तारीख को आत्मदहन करने की चेतावनी दी थी. जिसके कारण सोया हुआ प्रशासन जागृत होकर उन्होंने युध्द स्तर पर हलचल करके इन दोनों मंडलों की संशोधित अतिवृष्टि की निधि की मांग का प्रस्ताव विभागीय स्तर पर राज्य सरकार को 17 फरवरी को दिया था, किंतु राज्यस्तरीय जांच समिति स्थापित करके दो मंडलों की जांच होने पर ही इन किसानों को निधि मिलेगी, ऐसा प्रावधान किया. इन जांच समिति के कारण इन दो मंडलों के 14 हजार किसानों को निधि मिलने में काफी समय लगेगा. ऐसे में इन जांच समिति की आवश्यकता इन दो मंडलों को लागू नहीं होती. इन दो मंडलों की जांच के लिए समिति नियुक्त करना अर्थात 14 हजार किसानों का शोषण होने का आरोप भालेराव ने लगाया. राज्य सरकार की किसानों को सहायता निधि देने की नीयत नहीं होने के कारण जांच समिति नियुक्त करके किसानों को झूलते रखने का यह प्रकार होने का आरोप लोक विकास संगठन के अध्यक्ष गोपाल भालेराव ने पत्रकार परिषद में लगाया. ऐसे में इन दोनों मंडलों को जांच समिति से टालकर तत्काल सहायता दी जाए, ऐसी मांग भालेराव ने की.

क्रास्ट्राइब का 24 को कलेक्ट्रेट पर धरना

अमरावती - पिछड़ावर्गीय कर्मचारियों की मांगों को लेकर आगामी 24 फरवरी को जिलाधिकारी कार्यालय पर क्रास्ट्राइब संगठन की ओर से धरना आंदोलन किया जाएगा. पदोन्नति में आरक्षण लागू करने पिछड़ावर्गीय को पदोन्नति, सरल सेवा अनुशेष, 3 दिसम्बर 1980 से 28 मई 2008 के सरकार के निर्णयानुसार महत्वपूर्ण जगह पर पिछड़वर्गीयों की नियुक्ति, निलंबित कर्मचारियों को सेवा में वापस लें, आऊट सोर्सिंग अधिनियम रद्द करें, वन विभाग के वनपालों की सेवा ज्येष्ठता सूची पर तुरुंत निर्णय लें, सातवां वेतन आयोग लागू करें, पुरानी पेंशन योजना शुरु करें सहित आदि विविध मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है. आंदोलन में शामिल होने का आव्हान बीपी इंगले, पाटिल, प्रकाश मोहोड, राजेश, वाहुरवाघ आदि ने किया है.

फूलों में सज रहे हैं मेरे बाबा...

बाबा के भजनों से मनाई फूलोरी बीज, रामदेव बाबा महिला मंडल का कार्यक्रम

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार अमरावती, 22 फरवरी- राजापेठ स्थित रामदेव महाराज संस्थान में मंगलवार को फूलोरी बीज का पर्व मनाया गया. इस अवसर संस्थान अंतर्गत रामदेव बाबा महिला मंडल ने बाबा के भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया. जिसमें सभी ने संयुक्त रूप से बाबा के भजन गाकर भक्तिरस का आनंद उठाया. इस अवसर पर 'फूलों में सज रहे हैं मेरे बाबा...', 'रंग मत डाले रे सांवरिया', 'बाबा ने बांधी केसरिया पगड़ी', 'अरे रसिया मन बसिया' जैसे अनेक भजन गाए गए.होली के पहले शुक्ल पक्ष में फूलोरा बीज मनाई जाती है. जिसमें भगवान का फूलो से खास श्रृंगार किया जाता है और फूल बरसाए जाते हैं.

इसी फूलोरा बीज को रामदेव बाबा महिला मंडल भजन कार्यक्रम के माध्यम से बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया. कार्यक्रम की यजमान सुनीता वर्मा और रजनी राठी रहीं. भजन कार्यक्रम के पश्चात ज्योत आरती हुई. जिसमें रामदेव बाबा महिला मंडल की अध्यक्ष सावित्री लढ्ढा, सचिव कंचन चांडक के साथ संगीता खण्डेलवाल, सुनीता वर्मा, रजनी राठी, कोमल सोनी, सुनीता सोनी, माधुरी सोनी, वैशाली चांडक, मेघा चांडक, चंदा भूतड़ा, विना चांडक, सोनल मोदानी, कस्तूरी मोदानी, लता मुंधड़ा, शारदा पवार, कविता मोहता, अरुणा राठी, लता मुंधड़ा, उर्मिला कलंत्री, शारदा पवार, उपस्थित रहे. मंदिर के व्यवस्थापक दीपक गाड़वे ने विशेष सहयोग किया.

वणी बेलखेड़ में अनोखे ढंग से मनाई गई शिवजयंती

वारकरी दिंडी की गूंज में निकली शिवराया की पालकी का सभी ने किया स्वागत

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार चांदूर बाजार, 22 फरवरी- तहसील स्थित वणी बेलखेड़ में एक अनोखे ढंग से शिवजयंती महोत्सव मनाया गया. वारकरी दिंडी के गजर में निकली शिवराया की पालकी का गांव प्रदक्षिणा के दौरान प्रत्येक घर के समक्ष रंगोली व पालकी का पूजन करके स्वागत किया गया. शिवराया की पालकी यात्रा में सभी जाति-धर्म के लोगों का सहभाग गांव प्रदक्षिणा का मुख्य आकर्षण रहा.पालकी यात्रा का समापन मारूती महाराज मंदिर के समक्ष के प्रांगण पर हुआ.

जहां छोटे बच्चों की भाषण स्पर्धा रखी गई थी. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नागरवाड़ी आश्रमशाला के शिव व्याख्याता रेडे सर उपस्थित थे. बतौर प्रमुख अतिथि हभप गायकी महाराज, मंगेश देशमुख, आरती राऊत, अशोक अलोने, फुले गुरुजी, अतुल ठाकरे आदि उपस्थित थे. रेडे सर ने अपने भाषण में शिवाजी महाराज के जीवन कार्यों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम की प्रस्तावना और आभार प्रदर्शन सुनील मोहोड़ ने किया. कार्यक्रम में पंचक्रोशी के हजारों शिवप्रेमी उपस्थित थे.

चार दिवसीय सिंधी प्रीमियर लीग आज से

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार अकोला, 22 फरवरी- सिंधी समाज के क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है. उनमें खेल भावना जागृत करने हेतु महानगर सिंधी समाज की ओर से चार दिवसीय सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन दो का आयोजन किया गया है. इस क्रिकेट प्रतियोगिता में महानगर के सिंधी खिलाड़ियों की 8 टीमें शामिल होंगी. यह जानकारी सिंधी प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन दो के आयोजन कमिटी की ओर से पत्रकार परिषद में दी गई.

स्थानीय सिंधी कैंप स्थित सभागृह में आयोजित पत्रकार परिषद में प्रतियोगिता की पूरी जानकारी दी गई. विगत प्रतियोगिता की अपार सफलता के पश्चात यह एसपीएल सीजन दो खेला जा रहा है. 23 फरवरी से 26 फरवरी तक नित्य दोपहर 4 से रात 10 बजे तक स्थानीय कृषि विद्यापीठ के मैदान पर आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता में अप्पाजी रॉयल स्ट्राईकर्स, वाह इलेवन, आहूजा स्ट्राइकर्स, जीटी वॉरियर्स, धानी टायगर्स, केकेआर डॉट कॉम स्टार्स, कपिल नाईट रायडर्स एवं ओरिएम सुपरकिंग आदि टीमें शामिल होंगी. इस प्रतियोगिता में 12 लीग मैच खेले जाएंगे. टेनिस बॉल के साथ खेली जाने वाली यह टूर्नामेंट 10 ओव्हर्स की होगी. प्रतियोगिता में अनेक पुरस्कार रखे गए हैं. विजेता टीम को ट्रॉफी समेत 1 लाख रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा एवं उपविजेता टीम को 71 हजार रुपए का नगद पुरस्कार. इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए ऑरेंज कैप, पर्पल कैप तथा मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया जाएगा. 23 फरवरी को कृषि विद्यापीठ के कुलपति डॉ. शरद गडाख, पुलिस अधीक्षक संदीप घुगे, डॉ. श्यामसुंदर माने, डॉ. सुरेंद्र कालबांडे, डॉ. एस.एस. हाडोले, सिंधी पंचायत के अध्यक्ष कन्हैयालाल रंगवानी, भारुमल मूलानी आदि की उपस्थिति में टूर्नामेंट का उद्घाटन होगा. पत्रकार परिषद में सभी टीमों के 11 संचालक हेमंत आनंदानी, आशीष कटारिया, मनीष बजाज, वरुण आलिमचंदानी, भरत मोटवानी, आशीष आहूजा, नवीन गुरबानी, आशीष राजपाल, गौरव मुलानी, कपिल देवानी, दीपेश वाधवानी समेत एसपीएल सीजन दो के आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे.

अमरावती संभाग में 30 प्रश बढ़ेगा गेहूं का उत्पादन

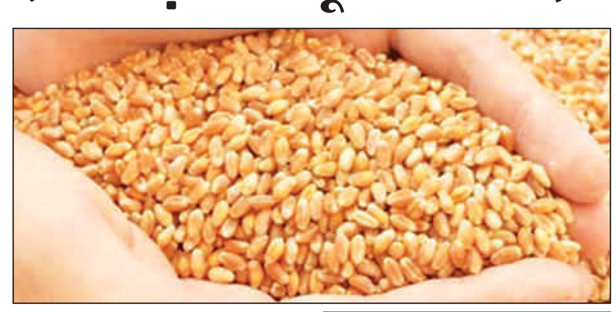

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार वाशिम, 20 फरवरी - इस बार के सीजन में अमरावती संभाग में पोषक माहौल की वजह से गेहूं की फसल लहलहा रही है. पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष उत्पादन 30 प्रतिशत से बढ़ने की संभावना कृषि विशेषज्ञों ने व्यक्त की है. खास बात यह कि संभाग में इस बार गेहूं की बुआई 24 प्रश से बढ़ी है.

अमरावती संभाग में ऐवरेज 17 लाख 767 हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुआई अपेक्षित होती है, लेकिन इस बार 21 लाख 19 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई हुयी है. इस बार गेहूं की फसल के लिए पोषक ऐसी ठंड हुयी है.

ऐसे माल के गेहूं की फसल काफी अच्छी दिखने की वजह से इस बार गेहूं की पैदावार में 30 प्रश बढ़ोतरी होने की संभावना कृषि तज्ञों ने व्यक्त की है.

संभाग में गेहूं का जिलानिहाय क्षेत्र

अकोला	20,446,20
अमरावती	41,243,00
वाशिम	34,008,00
बुलढ़ाणा	67,063,70
यवतमाल	49,135,00

'इस बार सिंचाई के लिए पर्याप्त संग्रहण था. इसलिए गेहूं की बुआई बढ़ गयी. इसके अलावा इस बार पोषक माहौल रहने के कारण गेहूं का उत्पादन इस बार करीबन 30 प्रश से बढ़ने की संभावना है.'

- शंकर तोटावार, जिला अधीक्षक, कृषि अधिकारी, वाशिम.

शासकीय तंत्रनिकेतन में पदविका प्रमाणपत्र समारोह आज

कुलगुरु सहित अनेक मान्यवरों की उपस्थिति

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार अमरावती, 22 फरवरी- स्थानीय शासकीय तंत्रनिकेतन में गुरुवार, 23 फरवरी को 21वां अभियांत्रिकी पदविका प्रमाणपत्र प्रदान समारोह दोपहर 3 बजे संस्था के परिसर में आयोजित किया गया है. समारोह की अध्यक्षता शासकीय तंत्रनिकेत के नियामक मंडल के अध्यक्ष डॉ. दत्तात्रय जाधव करेंगे. प्रमुख उपस्थिति के रूप में संगाबा अमरावती विद्यापीठ के कुलगुरु डॉ. प्रमोद येवले, मनपा आयुक्त डॉ. प्रवीण आष्टीकर उपस्थित रहेंगे. उपस्थित मान्यवर नियोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को मार्गदर्शन करेंगे तथा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अभियांत्रिकी पदवी का प्रमाणपत्र प्रदान करेंगे. अतः सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों से उपस्थित रहने का आवाहन संस्था के प्राचार्य डॉ. विजय मानकर ने किया है.

साल 2000 के पहले की इमारतों को खतरा

भूकंप प्रवण क्षेत्र के जोन 2 में नागपुर

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार नागपुर, 22 फरवरी- तुर्की के भूकंप ने सभी शहरों को जगा दिया है. ताश के पत्ते के बंगले की तरह इस क्षेत्र की इमारतें ढह गई. इसमें 40 हजार से अधिक लोगों की जानें गईं. विशेष यह कि भूकंप के केंद्र रही जगह से 100 से 150 किमी. की दूरी पर मौजूद शहरों का भी नुकसान हो गया है. यह विषय ही अब चिंता का बन गया है, क्योंकि नागपुर जिला भूकंप प्रवण नहीं होने के बाद भी अधिक संवेदनशील रहे मध्यप्रदेश राज्य के शहरों से नजदीकी होने से खतरे की संभावना व्यक्त की गई है. साल 2000 के पहले 20-30 साल पुरानी इमारतों के लिए यह खतरे का संकेत माना जा रहा है.

जोन 3, 4 खतरनाक, 5 अति खतरनाक

जोन-1 यह भूकंप से सुरक्षित समूह में है. नागपुर समेत महाराष्ट्र राज्य इस जोन में था, लेकिन लातूर जिले के किल्लारी में हुए भूकंप ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है.

जोन-2 यहां खतरा नहीं है, लेकिन यहां हल्के झटके लगने की संभावना होती है. हालांकि संवेदनशील शहर के पास में होने पर उसका असर होने की संभावना है.

जोन-3 ऐसे क्षेत्र में भूकंप की संभावना होती है. महाराष्ट्र के विदर्भ, मराठवाड़ा छोड़कर अन्य क्षेत्र जोन 3 में शामिल है.

जोन-4 इसमें खतरनाक स्तर के शहर शामिल हैं. इन क्षेत्रों के भूगर्भ की टेक्टोनिक प्लेट सक्रिय होती है. गुजरात का कुछ हिस्सा, बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, कश्मीर का क्षेत्र इस जोन में शामिल है.

जोन 5 यह सबसे ज्यादा खतरे का क्षेत्र माना जाता है. पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात के कच्छ, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर का कुछ हिस्सा इस क्षेत्र में शामिल है.

नागपुर जोन 3 के करीब

नागपुर जिला जोन 2 में शामिल माना जाता है. इसलिए भूकंप के खतरनाक स्तर की श्रेणी में शामिल नहीं है. पहले वह जोन-1 में शामिल माना जाता था, लेकिन लातुर के किल्लारी के भूकंप ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है. हालांकि जोन-3 में शामिल प्रदेश के शहरों से करीबी होने से वहां भूकंप का झटका लगने पर इसका असर महसूस होने की संभावना हो सकती है.

- अपना शहर और जिला जोन 2 में है. वह भूकंप के खतरे के स्तर की श्रेणी में शामिल नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम बेफिक्र हो जाएं. अनहोनी बताकर नहीं होती है. इसलिए जिले की आपदा प्रबंधन व्यवस्था किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है.

-अंकुश गावंडे, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी

▸▸ खतरा किन मकानों को? : साल 2000 के पहले की इमारतों के लिए खतरा हो सकता है. इसी प्रकार बड़ी और पुरानी और खस्ताहाल इमारतों को खतरा होने की संभावना हो सकती है.

▸▸ कांक्रीट ग्रेड महत्वपूर्ण : 3 मंजिल से ज्यादा ऊंची इमारतों के निर्माण के दौरान जमीन की मिट्टी का हिस्सा, बीम्स और कितनी मंजिला इमारत बन सकती है, इस पर विचार के बाद ही निर्माण किया जाना चाहिए. इसमें कॉलम के साथ-साथ कांक्रीट का ग्रेड भी महत्वपूर्ण साबित होता है.

▸▸ भूकंप रोधी निर्माण का रूझान : तुर्की व आसपास के शहरों में भूकंप से बड़े पैमाने पर आर्थिक और जनहानि हुई है. इस भीषण घटना ने लोगों को सतर्क कर दिया है. इसके बाद अब भूकंपरोधी इमारतों के निर्माण की ओर रूझान बढ़ रहा है. नई इमारतों के निर्माण में इसका विचार हो रहा है.